an>

Title: Regarding narcotic drug trade in the country.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष जी, यदि मेरी किसी भावना से आप आहत हुए होंगे, मैंने गलती नहीं की, लेकिन मैं क्षमा चाहता हूं।

उपाध्यक्ष जी, एक तरफ देश के प्रधानमंत्री 'मन की बात' में रेडियो के द्वारा पूरे देश को नशामुक्त करने की बात करते हैं। महोदय, यह नशा की ही बात है। ड्रग्स, अफ़ीम में देश के अरबों-खरबों रुपये बर्बाद हो रहे हैं। छः करोड़ 80 लाख आदमी सिर्फ़ तम्बाकू खाने से मर जाते हैं। आठ लाख लोग गुटखा खाने से होने वाली बीमारियों से पीड़ित हैं। छः करोड़ बीस लाख लोग शराब पीने से मर गए। बीस लाख लोग सालाना अफीम खाने से मर जाते हैं। इस देश के नौजवान शराब, अफीम और ड्रग्स खाने से बर्बाद हो जाते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, आज यह पेपर में रोज़ आ रहा है। पंजाब में ई.डी. के द्वारा पदाधिकारियों की इसमें संलिप्तता पायी गयी है। पंजाब प्रदेश के 90औ नौजवानों का नाम देश की कुर्बानी के लिए लिया जाता था, वहीं आज 90औ पंजाब के नौजवानों का नाम ड्रग्स से पीड़ित में गिना जाता है। पंजाब का पूरा का पूरा नौजवान और परिवार ड्रग्स से बर्बाद हो गए हैं। इसमें कुछ सेना के पदाधिकारियों का भी नाम आया है। इसमें एक मंत्री का नाम आया है, जिन्होंने रेजिग्नेशन भी दिया। आज कई मंत्रियों और उसमें से 40औ नाम राजनीतिज्ञों के हैं।

मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री से आग्रह करना चाहूंगा कि यदि आप नशा को बंद करना चाहते हैं तो आप देश के सबसे सशक्त इंसान हैं, आपने गुजरात में जिस तरह से नशा बंद किया, वैसे आप देश में भी नशा बंद कर सकते हैं।

मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि वहां जो सरकार है, उसमें आपकी भागीदारी है। आप वहां के मंत्री को रैजिग्नेशन दिलाएं। वहां के राजनेताओं का जो उसमें इंवॉल्वमेंट है, उसकी जांच कराएं। इस देश में जो भी राजनीतिज्ञ इसमें इंवॉल्व हैं, उनकी जांच करा कर उन्हें अविलम्ब गिरफ़्तार करके जेल भेजें। ड्रग्स रैकेट माफिया का इस देश में अविलम्ब पर्दाफाश करके इस देश के नौजवानों को बचाएं। यह मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं।

HON. DEPUTY SPEAKER:

Shri Bhagwant Mann and

Shrimati Ranjeet Ranjan are permitted to associate with the issue raised by Shri Rajesh Ranjan.

Yogi Adityanath – not present.